KGS IAS

KHAN GLOBAL STUDIES

Most Trusted Learning Platform

KHAN SIR

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPCS)

निबन्ध/ESSAY

विशेष अनुदेश / Specific Instructions

1. निबंध का प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है। **प्रत्येक खण्ड** से केवल **एक-एक** विषय का चयन कर **कुल तीन** निबंध **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** अथवा **उर्दू** भाषा में लिखिये। / The question paper is divided into three Sections. Write three essays in Hindi or English or Urdu language, selecting one topic from each Section.
2. प्रत्येक निबंध में कुल प्रयुक्त शब्दों की अधिकतम सीमा **700 शब्दों** की है। Maximum words limit of each essay is 700 words.
3. प्रत्येक निबंध के लिए **50 अंक** निर्धारित हैं। / Each essay carries 50 marks.

कुल तीन खण्ड → प्रत्येक खण्ड से एक निबंध → प्रत्येक निबंध 700 शब्दों

खण्ड (क) Section A	खण्ड (ख) Section B	खण्ड (ग) Section C
1. साहित्य और संस्कृति Literature and Culture	1. विज्ञान पर्यावरण और प्रौद्योगिकी Science, Environment and Technology	1. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम National and International Events
2. सामाजिक क्षेत्र Social sphere	2. आर्थिक क्षेत्र Economic Sphere	2. प्राकृतिक आपदाएं, भू-स्खलन, भूकम्प, बाढ़, सूखा, आदि। (Natural Calamities, Land slide, Earthquake, Deluge, Drought etc.)
3. राजनैतिक क्षेत्र Political sphere	3. कृषि, उद्योग एवं व्यापार Agriculture, Industry and Trade	3. राष्ट्रीय विकास योजनाएँ एवं परियोजनाएँ National Development programmes and projects.

अनुदेश (Instruction)

"उम्मीदवार की विषय-वस्तु की पकड़, चुने गए विषय के साथ प्रासंगिकता, रचनात्मक तरीके से सोचने की उसकी योग्यता और विचारों को संक्षेप में युक्तिसंगत और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत करने की तरफ परीक्षक विशेष ध्यान देंगे।"

"Examiners will pay special attention to the candidate's grasp of his material, its relevance to the subject chosen, and to his ability to think constructively and to present his ideas concisely, logically and effectively."

- लिखे जाने वाले विषय पर अच्छी पकड़ हो।
- लेखन विषय-वस्तु के साथ प्रासंगिक हो अर्थात् विषय-वस्तु से संबंधित विभिन्न पक्षों का विस्तार करें, न कि किसी गैर-प्रासंगिक पक्ष का।

- विचार रचनात्मक हो अर्थात् केवल निषेधात्मक पक्षों को न लिखें, बल्कि उस विषय के भावात्मक एवं सृजनात्मक पक्षों को भी विस्तार दें।
- प्रस्तुतीकरण संक्षिप्त, युक्तिसंगत एवं प्रभावी हो।
- युक्तिसंगत का आशय है कि आप जो भी लिखें, उसके पीछे समुचित आधार हो।

खण्ड-अ / Section–A

1. चरित्र निर्माण में साहित्य की भूमिका ।
   Role of literature in character building.
2. महानगरों में वृद्धों की समस्या ।
   The problem of old people in metropolitan cities.
3. भारत के लिए जी-20 के नेतृत्व के निहितार्थ ।
   Meaning of G-20 leadership for India.

खण्ड-ब / Section–B

1. अंतरिक्ष विज्ञान और भारत ।
   Space science and India.
2. कृषि क्षेत्र में नयी संभावनाएँ ।
   New possibilities in the agricultural sector.
3. भूमण्डलीकरण और कुटीर उद्योग ।
   Globalization and cottage industry.

खण्ड-क / Section–C

1. **श्रीलंका में आये आर्थिक संकट का पूरे विश्व पर प्रभाव।**
   The effect of economic crisis in Sri Lanka on whole world.
2. **पिघलते ग्लेशियरों का मनुष्य जाति के सामने संकट।**
   Melting glaciers danger for human beings.
3. **प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान।**
   P.M. Annadata Aay Sanrakshan Abhiyan.